NEWS CLIPPING:03.03.2022

PIONEER

आधुनिक पुस्तकालय की कार्यशैली पर कार्यक्रम

अकादमिक विकास एवं अनुसंधान प्रोत्साहन में पुस्तकालय की भूमिका अहम : कुलपति प्रो. तोमर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, वाईएमसीए, फरीदाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 'अनुसंधान उत्कृष्टता और अकादमिक विकास - वर्तमान परिदृश्य में आधुनिक पुस्तकालय कार्यशैली' विषय पर एक सप्ताह का शॉर्ट-टर्म कार्यक्रम (एसटीटीपी) का आयोजन किया है। कार्यक्रम एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। कार्यक्रम में देशभर के 12 राज्यों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

जेसीबोस विश्व में आयोजित कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते कुलपति प्रो. एसके तोमर।

कार्यक्रम का उद्घाटन एसआरएम यूनिवर्सिटी, सोनीपत के लाइब्रेरियन डॉ. धर्म वीर सिंह ने किया। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित और सरस्वती वंदन के साथ हुई। इसके उपरांत प्रो. आशुतोष दीक्षित मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम समन्वयक एवं संयोजक डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. पी.एन. बाजपेयी ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर ने कार्यक्रम की विषयवस्तु की प्रासंगिकता पर विचार रखे और पुस्तकालय द्वारा इस की गई पहल की सराहना की। उन्होंने शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनुसंधान और टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया।

सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. धर्म वीर सिंह ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में पुस्तकालयों की भूमिका केवल दस्तावेज उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है अपितु पुस्तकालयों को सूचनाओं के चयनात्मक प्रसार (एसडीआई) से संबंधित सेवाओं को प्रदान करने पर विचार करना चाहिए।

NEWS CLIPPING:03.03.2022

AAJ SAMAJ

आधुनिक पुस्तकालय की कार्यशैली पर एक सप्ताह का कार्यक्रम शुरू

■ अकादमिक विकास एवं अनुसंधान प्रोत्साहन में पुस्तकालय की भूमिका अहम: कुलपति प्रो. तोमर

आज समाज नेटवर्क

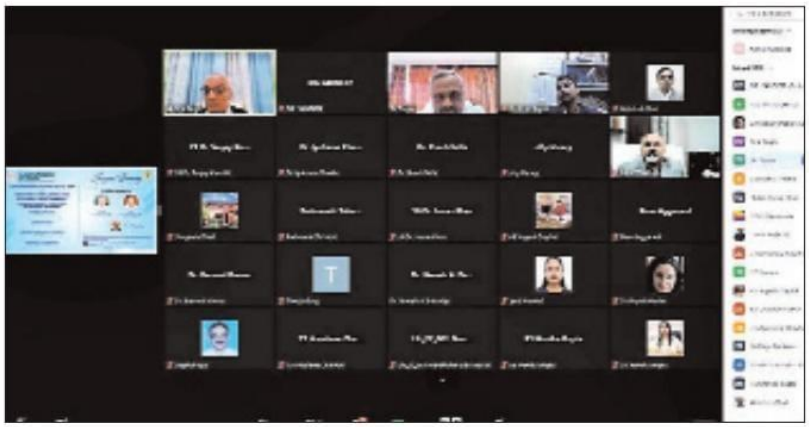

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर ।

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा ह्यअनुसंधान उत्कृष्टता और अकादमिक विकास-वर्तमान परिदृश्य में आधुनिक पुस्तकालय कार्यशैलीह्य विषय पर एक सप्ताह का शॉर्ट-टर्म कार्यक्रम (एसटीटीपी) का आयोजन किया है। कार्यक्रम एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। कार्यक्रम में देशभर के 12 राज्यों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन एसआरएम यूनिवर्सिटी, सोनीपत के लाइब्रेरियन डॉ धर्मवीर सिंह ने किया। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। सहयोगी सेवाएं प्रदान करने को लेकर पुस्तकालयाध्यक्षों की क्षमता को बढ़ाना है तथा संकाय सदस्यों को शोधकताओं के लिए उपलब्ध विभिन्न उपकरणों और तकनीकों की जानकारी प्रदान करना है ताकि वे इसका लाभ उठा सके।

NEWS CLIPPING:03.03.2022

GURGAON MAIL

अकादमिक विकास एवं अनुसंधान प्रोत्साहन में पुस्तकालय की भूमिका अहम : कुलपति प्रो. तोमर

ब्यूरो/ गुडग़ांव मेल

फरीदाबाद,2 मार्च। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 'अनुसंधान उत्कृष्टता और अकादमिक विकास-वर्तमान परिदृश्य में आधुनिक पुस्तकालय कार्यशैली' विषय पर एक सप्ताह का शॉर्ट-टर्म कार्यक्रम (एसटीटीपी) का आयोजन किया है। कार्यक्रम एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। कार्यक्रम में देशभर के 12 राज्यों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन एसआरएम यूनिवर्सिटी, सोनीपत के लाइब्रेरियन डॉ धर्मवीर सिंह ने किया। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित और सरस्वती वंदन के साथ हुई। इसके उपरांत प्रो आशुतोष दीक्षित मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम समन्वयक एवं संयोजक डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ पीएन बाजपेयी ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया।

डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. बाजपेयी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं को सहयोगी सेवाएं प्रदान करने को लेकर पुस्तकालयाध्यक्षों की क्षमता को बढ़ाना है तथा संकाय सदस्यों को शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध विभिन्न उपकरणों और तकनीकों की जानकारी प्रदान करना है ताकि वे इसका लाभ उठा सके। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के दौरान आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर, बीएचयू, पीयू आदि जैसे संस्थानों से अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाले वक्ताओं को विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। सत्र के अंत में कार्यक्रम की सह-समन्वयक डॉ. प्रीति सेठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

NEWS CLIPPING:03.03.2022

THE TRIBUNE

MODERN LIBRARY PRACTICES

T.B. 3.3.2022

Faridabad: Pt Deen Dayal Upadhyay Central Library of the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, organised a week-long short-term training programme (STTP) on "Research excellence and academic development: Modern library practices in present scenario". The programme is being sponsored by the AICTE, New Delhi, and participants from 12 states across the country are taking part in this programme. Vice Chancellor Prof Sushil Kumar Tomar emphasised on the importance of research and team work for enhancing quality of the research. He said while the library played a vital role in enhancing research and supporting its academic programmes, emphasis should be on the quality of research work. Chief guest, Dr. Dharam Veer Singh said in the current scenario, the role of the libraries was not limited to providing documents on demand. The university libraries should think on providing selective dissemination of information (SDI) services to its users and should help the research community by providing various research support services.